

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3355
जिसका उत्तर दिनांक 23.03.2022 को दिया जाना है

यूरैनियम की मांग और आपूर्ति

3355. श्री राहुल कस्वां :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या प्राकृतिक यूरैनियम की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर के कारण देश के परमाणु ऊर्जा संयंत्र ईंधन की कमी का सामना कर रहे हैं;
- (ख) यदि हां, तो संयंत्र-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) गत तीन वर्षों के दौरान इनमें से प्रत्येक संयंत्र की स्थापित क्षमता के साथ-साथ संयंत्र-वार वास्तविक विद्युत उत्पादन का ब्यौरा क्या है; और
- (घ) देश में ऐसे प्रत्येक परमाणु ऊर्जा संयंत्र को ईंधन की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या ठोस कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

- (क) जी, नहीं ।
- (ख) उपरोक्त (क) के मद्देनजर प्रश्न नहीं उठता ।
- (ग) विवरण अनुलग्नक में दिया गया है ।
- (घ) सरकार ने घरेलू और आयातित दोनों स्रोतों से, ईंधन की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध कराने के लिए व्यवस्थाएं की हैं ताकि नाभिकीय ऊर्जा रिएक्टरों का प्रचालन उनकी निर्धारित क्षमता पर सुनिश्चित हो सके ।

ऐसे रिएक्टर जो अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) संरक्षोपायों के अन्तर्गत शामिल नहीं हैं, उनके लिए यूरैनियम ईंधन आवश्यकता की पूर्ति, परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम यूरैनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल)

द्वारा की जाती है । समय-समय पर ऐसी परियोजनाएं जिनमें कुछ मौजूदा यूनिटों का क्षमता विस्तार और देश के विभिन्न भागों में नई परियोजनाओं की स्थापना शामिल है, निरंतर आपूर्ति बनाए रखने के लिए योजना बनाई गई है ।

आईईए संरक्षोपायों के अन्तर्गत आने वाले दाबित भारी पानी रिएक्टरों (पीएचडब्ल्यूआर) की ईंधन आपूर्ति के संबंध में, ईंधन की अबाधित आपूर्ति करने के लिए आयातित प्राकृतिक यूरेनियम का अपेक्षित भंडार बनाया रखा जाता है । क्वथन जल रिएक्टर (बीडब्ल्यूआर) और वाटर-वाटर एनरजेटिक रिएक्टर (वीवीईआर) ईंधन की पूर्ति रूस से आयात करके की जाती है ।

* * * * *

अनुलग्नक

राज्य	स्थान	यूनिट	क्षमता (मेगावाट)	वाणिज्यिक उत्पादन (मिलियन यूनिटों में, एमयू) [§]		
				2018-19	2019-20	2020-21
महाराष्ट्र	तारापुर	टीएपीएस-1	160	1322	954	&
		टीएपीएस-2	160	937	1234	341 ^{&}
		टीएपीएस-3	540	4354	3827	3877
		टीएपीएस-4	540	4154	4522	3669
राजस्थान	रावतभाटा	आरएपीएस-1	100	@	@	@
		आरएपीएस-2	200	959	1410	429
		आरएपीएस-3	220	1550	1705	1699
		आरएपीएस-4	220	1820	1688	1816
		आरएपीएस-5	220	1720	1946	1427
		आरएपीएस-6	220	1986	1703	2015
उत्तर प्रदेश	नरोरा	एनएपीएस-1	220	1498	1900	1738
		एनएपीएस-2	220	1664	1891	1547
गुजरात	काकरापार	केएपीएस-1	220	#	1467	1817
		केएपीएस-2	220	1000	1962	1896
कर्नाटक	कैगा	केजीएस-1	220	1600	1841	1903
		केजीएस-2	220	1939	1773	1592
		केजीएस-3	220	1662	1838	1635
		केजीएस-4	220	2016	1827	1964
तमिलनाडु	कल्पाक्कम	एमएपीएस-1	220	&	&	&
		एमएपीएस-2	220	1491	1843	1704
	कुडनकुलम	केकेएनपीपी-1	1000	2797	7115	5638
		केकेएनपीपी-2	1000	3345	4029	6323

[§] उत्पादन आंकड़े निकटतम पूर्णांक में किए गए हैं ।

[@] आरएपीएस-1 तकनीकी-आर्थिक मूल्यांकन के लिए विस्तारित शटडाउन के अधीन है ।

[#] केएपीएस-1 तथा 2 सामूहिक शीतलन चैनल प्रतिस्थापन (ईएमसीसीआर) और सामूहिक संभरण प्रतिस्थापन (ईएमएफआर) गतिविधियों के लिए 01 अगस्त 2016 से परियोजना मोड में लिया गया है । इन गतिविधियों के पूर्ण होने पर केएपीएस-2 को दिनांक 22 सितंबर 2018 को और केएपीएस-1 को दिनांक 24 मई 2019 को गिड से जोड़ दिया गया है ।

[&] एमएपीएस-1, टीएपीएस-1 तथा टीएपीएस-2 को क्रमशः दिनांक 01-04-2018, 01-04-2020 तथा 01-08-2020 से परियोजना मोड में लिया गया ।